चलो कम्बोडिया...

27 नवंबर से 02 दिसंबर 2023

प्राचीन कंबुज देश -अंगकोरवाट विष्णुधाम की धर्मयात्रा!

प.पू. स्वामी गोविंददेव गिरि जी महाराज

कोषाध्यक्षः श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास), अयोध्या

उपाध्यक्ष : श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास, मथुरा

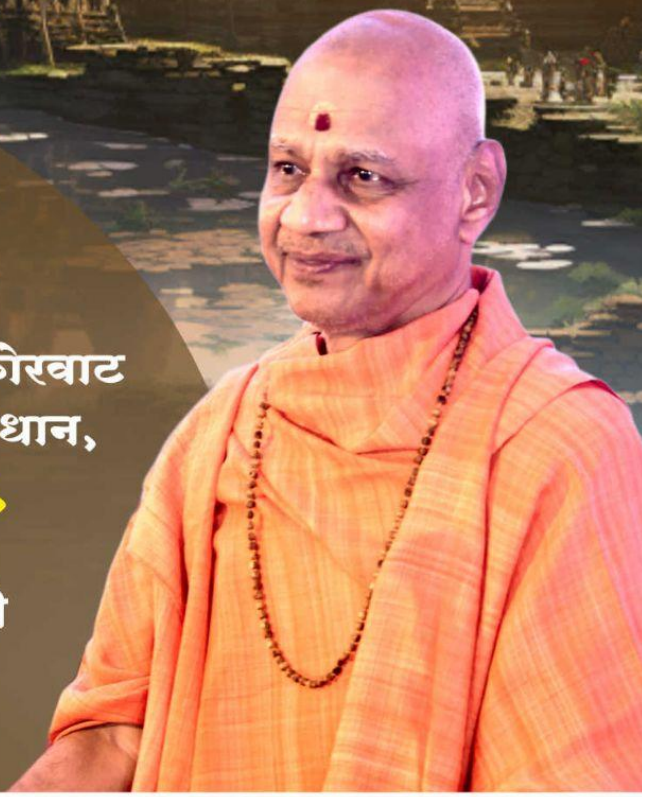

पूज्य स्वामीजी के
अमृत महोत्सव वर्ष 2023-24 के
उपलक्ष में उनके सान्निध्य में
भारतीय संस्कृति परंपरा की विदेशी
दर्शनस्थली विश्व के सबसे बडे मंदिर अंगकोरवाट
का दर्शन, भ्रमण, सत्संग, जिज्ञासा-समाधान,
अंगकोरवाट विष्णुधाम ग्रंथ प्रकाशन,
भगवान बुद्ध कथा : प्रवचन
निसर्गरम्य अलौकिक कम्बोडिया की
धर्मयात्रा करने का सौभाग्य
हम सब के लिए सुलभ हो रहा है ।

पंजीकरण की अंतिम दिनांक	संपर्क संस्था : विश्व मंदिर परिषद, पुणे
15 अगस्त 2023	+91 8421771262 +91 8421951262

ऑनलाइन पंजीकरण करें : www.vishwamandirparishad.org/combodiayatra

कंबोडिया (कंबुज देश) अंगकोरवाट विष्णुधाम : धर्मयात्रा

कंबोडिया दुनिया का एकमात्र देश है जिसने अपने राष्ट्रीय ध्वज पर एक हिंदू मंदिर को स्थान दिया है और अपनी मुद्रा रियाल पर एक हिंदू मंदिर की तस्वीर छापी है। कंबोडिया की आज की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से हिंदू मंदिरों और उनसे विकसित हुई पर्यटन संस्कृति पर चलती है। कंबोडिया आज के थाईलैंड और व्हिएतनाम देशों के बीच स्थित एक देश है। एक तरफ कंबोडिया समुद्र से घिरा है और दूसरी तरफ लाओस, व्हिएतनाम और थाईलैंड से। ईस्वी पहली शताब्दी (लगभग 65 ईस्वी) में, कौंडिन्य नाम का एक युवा और साहसी नाविक 14-15 जहाजों के बेड़े के साथ दक्षिण भारत से कंबोडिया तक जानेवाला पहला भारतीय था। उन्होंने वहां सोमा नाम की एक नाग राजकुमारी से विवाह किया और मेकांग नदी घाटी में फुनान नामक एक हिंदू राज्य की स्थापना की। फुनान, चेन ला और ख्मेर राजवंशों ने प्राचीन कंबुज देश पर शासन किया। प्राचीन अंगकोर साम्राज्य उसी स्थान पर स्थित था। कंबोडिया में भी भारत की तरह ही मंदिर बनाये गये। भारत से पंडित, विद्वान, वास्तुकार लगातार कंबोडिया जाते रहते थे और पुस्तकों तथा वास्तुकला का परस्पर आदान-प्रदान होता था। कंबोडियाई मंदिर वास्तुकला दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला से प्रभावित है। 'महामेरू' की संकल्पना के अनुरूप वहां मेरू पर्वत की तरह पूरा मंदिर बनाने के प्रयोग भी किये गये।

भारत और कंबोडिया के बीच की दूरी लगभग 5,000 किमी है। भारत से कंबोडिया जाने के लिए बैंकॉक, थाईलैंड जाना पड़ता है। सिंगापुर, मलेशिया से भी आ सकते हैं। मुंबई से यह आमतौर पर पांच से साढ़े पांच घंटे की उड़ान है। हालाँकि नोम पेन्ह कंबोडिया की राजधानी है, सियाम रीप मंदिरों, वास्तुकला और पर्यटन के लिए घूमने लायक जगह है।

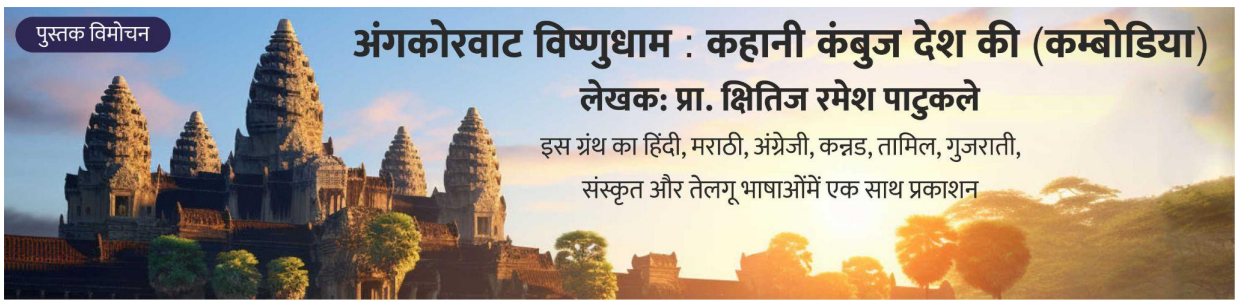

कंबोडिया के मंदिर

अंगकोरवाट विष्णुधाम - विश्व का सबसे बड़ा मंदिर - श्री विष्णु मंदिर पूजा स्थल - श्री विष्णु मंदिर: अंगकोरवाट मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में विश्व प्रसिद्ध है, खमेर साम्राज्य का अलौकिक रत्न और दुनिया के सभी धर्मों का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है। अवधारणा, डिज़ाइन, वास्तुकला की दृष्टि से 'भव्य' और 'विशाल' शब्द अपर्याप्त है, ऐसा यह एक अद्भुत और असाधारण मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण खमेर राजा सूर्यवर्मन द्वितीय (1113-1181 ईस्वी) ने करवाया था। इसके चारों तरफ बड़ी-बड़ी खाइयाँ हैं और उनके ऊपर पत्थर के पुल बने हुए हैं। यह मंदिर 510 एकड़ के विशाल क्षेत्र में बना हुआ है। मंदिर के रास्ते में हर पड़ाव पर ऐसी प्राचीरें हैं। यहां की आठ भुजाओं वाली विष्णु प्रतिमा लगभग 15 फीट ऊंची है। मंदिर के अंदर की प्राचीर पत्थर की भित्तिचित्रों से ढकी हुई है। इस प्राचीर ने पूरे मंदिर को ढक रखा है। ये किलेबंदी एक के ऊपर एक हैं। इसकी संरचना एक पिरामिड की तरह है जिसकी 5 चोटियाँ आकाश में ऊँची उठी हुई हैं। मुख्य मंदिर 220 फीट ऊंचा है। इस मंदिर में 10 फीट ऊंची और 300 फीट लंबी 8 मूर्तियां हैं। जब यह मंदिर बनकर तैयार हुआ और आसपास का क्षेत्र आबाद हुआ, तब लंदन की जनसंख्या 3,000 थी और 'अंगकोरवाट' की जनसंख्या दस लाख थी!

अंगकोर थॉम और बयोन - अंगकोर थॉम खमेर सम्राट जयवर्मन (सातवाँ) की राजधानी थी। लगभग 9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली इस राजधानी में राजा ने विभिन्न मंदिरों का निर्माण कराया। पूरा अंगकोर थॉम क्षेत्र पत्थर की दीवारों से घिरा हुआ है। इसके चारों ओर खाई खोदी गई थी। इन खाईयों तक पहुँचने के लिए

पत्थर के पुलों का निर्माण किया गया था। इस पुल की चट्टान पर समुद्र मंथन के प्रतीक नाग और देवताओं तथा राक्षसों की बड़े आकार की मूर्तियाँ खुदी हुई हैं। प्रवेश द्वार के निकट शिखर पर चारों ओर से मानवीय चेहरे दिखाई देते हैं। उसने इस क्षेत्र में बयोन नामक एक भव्य मंदिर बनवाया है। यह बहुत सुविचारित है और अवश्य देखना चाहिए। मुख्य मंदिर के शीर्ष के चारों ओर उन्होंने 50 से अधिक मीनारें बनवाईं और प्रत्येक मीनार के शीर्ष के चारों ओर चार दिशाओं में लोकेश्वर बोधिसत्व के चेहरे उकेरे। फिलहाल 37 मीनार बचे हैं। यह वास्तुकला बेहद आकर्षक है। मंदिर का शिखर और उस पर उकेरे गए मानव चेहरे दुनिया में कहीं और नहीं पाए जाते हैं।

बांटी श्री अर्थात त्रिभुवन महेश्वर मंदिर: इसवी 10 वी शताब्दी में ख्मेर राजवंश के राजेंद्र वर्मा द्वितीय (944 - 968 ई.) ने शासन किया। बांटी श्री मंदिर उन्हीं के समय में बने हैं।

पत्थर की नक्काशी के मामले में बांटी श्री सबसे अनोखा मंदिर है। काम इतना बारीक और खुबसूरत है कि लगता है मानो लकड़ी पर उकेरे हुए हैं। उस मंदिर के एक शिलालेख में लिखा है कि इस कार्य के लिए जानबूझकर कुशल मूर्तिकारों को भारत से आमंत्रित किया गया था। इस मंदिर में खांडववन दहन, सीता अपहरण, कंसवध, हिरण्यकशिपु वध, कैलासतोलन, कामदेव दहन, तारा विलाप जैसी बहुत ही बेहतरीन मूर्तियां खुदी हुई हैं।

सहस्र लिंग दर्शन कबाल स्पियन - यह स्थान सिएम रीप से 40 किमी दूर है। सिएम रीप नदी इस पर्वत से निकलती है और सिएम रीप शहर की ओर बढ़ती है। पहाड़ी की चोटी पर चट्टान में हजारों शिवलिंग खुदे हुए हैं। इस नदी का नाम

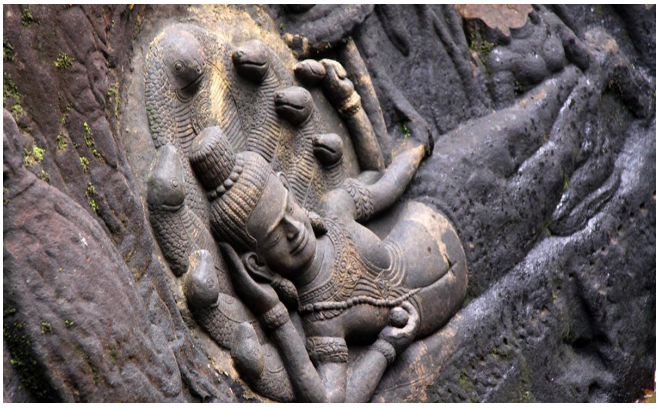

सहस्रलिंग नदी भी है क्योंकि ये शिवलिंग नदी तल में खोदे गए हैं। इस शिवलिंग के साथ-साथ यहां नदी तल में एक चट्टान पर भगवान ब्रह्मा भी उत्कीर्ण हैं। लेकिन यहां देखने लायक एक और विशेषता यहां भगवान विष्णु की छवि है। जिस चट्टान से होकर यह नदी बहती है उस पर भगवान शेषशायी की नक्काशी की गई है।

ता प्रोम और प्री खा वृक्ष मंदिर - ये राजा जयवर्मन (सातवाँ) द्वारा निर्मित अद्भुत बौद्ध मंदिर हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां देवी प्रज्ञा परमिता का मंदिर है। यहां 12वीं शताब्दी के आसपास बने मंदिर हैं। लगभग 400 वर्षों तक अंगकोर साम्राज्य का संपूर्ण क्षेत्र पूर्णतः उपेक्षित रहा। एक फ्रांसीसी जीवविज्ञानी, औरी माउ, कुछ वनस्पतियों की तलाश में यहां आए थे और उन्हें मंदिर के खंडहर मिले। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से इसे साफ़ किया और एक-एक करके मंदिर को पेड़ों की झुरमुट से बाहर निकाला। इस प्रकार असंख्य मंदिर प्रकाश में आये। लगभग 400 वर्षों तक यह मंदिर पेड़ों की जड़ों से घिरा रहा। अगर आसपास के पेड़ काटे जाएंगे तो मंदिर भी ढह जाएंगे। इसलिए उन पेड़ों को वैसे ही रखकर इन मंदिरों को साफ कर दिया गया है। कंबोडियाई सरकार ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इन्हें वृक्ष मंदिर का नाम दिया है। ता प्रोम मंदिरों का दौरा करते समय, कभी हम किसी पेड़ के तने के बीच से गुजरते हैं तो कभी उसकी शाखाओं के बीच से, यह एक अद्भुत अनुभव होता है।

अप्सरा नृत्य प्रदर्शन - अप्सराएँ कंबोडिया के राष्ट्रीय गौरव और संस्कृति का मुकुट रत्न हैं। अंगकोरवाट मंदिर में भी दो हजार से ज्यादा अप्सराएं खुदी हुई हैं। अप्सरा वहां के हर मंदिर और प्रतिष्ठान का अभिन्न अंग है। अप्सरा नृत्य, नृत्य नाटक का एक लोकप्रिय रूप, वहां प्रदर्शित किया जाता है, जिसमें उन अप्सराओं का सही उपयोग किया जाता है। अप्सरा नृत्य नाटिका का प्रदर्शन एक बड़े हॉल/सभागार में एक मंच पर किया जाता है। इसमें स्थानीय शास्त्रीय संगीतकारों का एक दल शामिल है। सबसे पहले विभिन्न वाद्ययंत्र बजाता है। उसके बाद, अप्सराएँ सचमुच मंच पर प्रकट होती हैं और अपने सुंदर अभिनय और लालित्य के साथ नृत्य करती हैं। हम मंच के सामने बैठकर इनका लुत्फ़ उठा सकते हैं।

टोनले सॅप (फ्लोटिंग विलेज) नो मैन्स लैंड - टोनले सैप एक बहुत बड़ी नदी है जिसका विस्तार समुद्र जितना बड़ा है। कई मील तक फैली इस नदी में बारहमासी पानी रहता है। इसे मजाक में मीठे पानी का समुद्र भी कहा जाता है। इस नदी पर ही एक तैरता हुआ गांव बसा हुआ है। यह दुनिया के महान आश्चर्यों में से एक है। अमेरिका-व्हिएतनाम गृहयुद्ध के दौरान, कई व्हिएतनामी नागरिक अपनी जान बचाने के लिए देश छोड़कर भाग गए। उन्होंने आस-पास के देशों में शरण ली। उनमें से कई नावों और छोटी नावों से टोनले सॅप आए। उन्होंने कंबोडिया में शरण लेने की कोशिश की। लेकिन स्थानीय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अंततः वे टोनले सॅप नदी में प्रवेश कर गये। उन्होंने आश्रय लिया और वहीं बस गये। उनके पास कोई निवासी प्रमाण नहीं है। इसलिए उन्हें नो मैन्स लैंड नागरिक कहा जाता है।

अंगकोरवाट राष्ट्रीय संग्रहालय : संग्रहालय उस क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और कला को हमारे सामने उजागर करते हैं। सिएम रीप का संग्रहालय भी बहुत खूबसूरत है। ख्मेर राजवंश, उसके महान राजा, उनके द्वारा किए गए कार्यों जैसी कई चीजें यहां विभिन्न हॉलों में व्यवस्थित रखी हैं। प्रत्येक राजवंश की प्रमुख विशेषताएं, उनके समय से मिले अवशेष यहां बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत किए गए हैं। इसके साथ ही 1,000 बुद्ध प्रतिमाओं वाला हॉल बेहद शानदार है। इस हॉल में आप इस बात का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं कि अलग-अलग समय में बुद्ध की मूर्तियाँ कैसे बनाई गईं, उनके चेहरे की विशेषताएं कैसे बदल गईं।

यात्रा का कार्यक्रम :

दिन	दिनांक	समय	जगह	निवास
0	27 नवम्बर	9:00 PM	मुंबई एअरपोर्ट आगमन	
1	28 नवम्बर	1:00 AM	मुंबई से प्रस्थान	
1	28 नवम्बर	1:00 PM	सियाम रिप	3 स्टार होटल
2	29 नवम्बर		सियाम रिप	3 स्टार होटल
3	30 नवाबर		सियाम रिप	3 स्टार होटल
4	1 दिसंबर		सियाम रिप	3 स्टार होटल
5	2 दिसंबर	3:35 दोपहर	मुंबई के लिए प्रस्थान	
6	3 दिसंबर	1:00 AM	मुंबई में आगमन	

आप जुड सकते है : 1) मुंबई 2) दिल्ली 3) कोलकता 4) सियाम रिप (कम्बोडिया)

दिन 1 (28 नवंबर) - कंबोडिया में आगमन - सांस्कृतिक कार्यक्रम

दोपहर 1 बजे सियाम रीप हवाई अड्डे पर आगमन... आगमन पर वीज़ा प्रक्रिया - वहां से होटल तक 1 से 1.5 घंटे की ड्राइव, होटल में चेक इन, भारतीय होटल में भोजन, टोनले सैप का दौरा। 06:30 शाम - अप्सरा नृत्य और भोजन, होटल में विश्राम।

दिन 2 (29 नवंबर) - अंगकोर थॉम - बांटी श्री मंदिर

सुबह होटल में नाश्ता करने के बाद, सुबह 9 बजे अंगकोर थॉम मंदिर के लिए ड्राइव। इस प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में ख्मेर सम्राट जयवर्मन (सातवाँ) ने करवाया था। इसकी राजधानी अंगकोर थॉम है, साथ ही बयॉन, बांटी श्री, निक पियान - शाम 6:00 बजे वापस होटल.

शाम 6:30 बजे पू. स्वामीजी का प्रवचन

दिन 3 (30 नवंबर) - अंगकोरवाट मंदिर का पूरा दर्शन

सुबह 5:30 बजे प्रस्थान. अंगकोर वाट मंदिर, गाइड के साथ अंगकोर वाट क्षेत्र में पूरे दिन दर्शनीय स्थल, शाम 6:30 बजे। होटल वापस. **शाम 7 बजे पुस्तक विमोचन और पू. स्वामीजी का प्रवचन**

- **पुस्तक : अंगकोरवाट विष्णुधाम : कहानी कंबुज देश की (कम्बोडिया)**

लेखक: प्रा. क्षितिज रमेश पाटुकले

इस ग्रंथ का हिंदी, मराठी, अंग्रेजी, कन्नड, तामिल, गुजराती, संस्कृत और तेलगू भाषाओंमें एक साथ प्रकाशन

दिन 4 (1 दिसंबर) - सहस्त्र लिंग, ता प्रोम और प्री खान वृक्ष मंदिर

सुबह 7:30 बजे प्रयाण - सहस्र लिंग, प्रा रूप और ता प्रोम - शाम 5:00 बजे होटल वापस.

शाम 6 बजे पू. स्वामीजी का प्रवचन

दिन 5 (2 दिसंबर) - राष्ट्रीय संग्रहालय और हवाई अड्डे के लिए प्रस्थान

सुबह 7:30 - 8:30 बजे नाश्ता - प्रस्थान - राष्ट्रीय संग्रहालय - दोपहर 3:35 बजे - हवाई अड्डे के लिए प्रस्थान

बँक खाता की जानकारी : नाम : विश्व मंदिर फाउंडेशन (Vishwa Mandir Foundation)
खाता क्र. **60358923479 IFSC Code: MAHB0000003**
बँक : बँक ऑफ महाराष्ट्र, डेक्कन जिमखाना, पुणे शाखा

आप कंबोडिया (कंबुज देश) की यात्रा में कैसे शामिल हो सकते हैं?

कंबोडिया (कंबुज देश) धर्मयात्रा पैकेज

अ) **5 स्टार होटल आवास -** ₹78,000/- + GST **(Total- ₹81900/-) + हवाई यात्रा किराया**

सीधे सियाम रिप के लिए - USD 999/-

ब) **3 स्टार होटल आवास -** ₹ 65,000/- + GST **(Total ₹68250/-) + हवाई यात्रा किराया**

सियाम रिप के लिए - USD 850/-

[मुंबई/दिल्ली से सियाम रिप तक (व्हाया बँकॉक) हवाईजहाज टिकट **₹**35,000-50,000/- (to & fro)]

पंजीकरण करते समय ₹ 50,000/- (USD 600) **बकाया राशि- 31 अक्टूबर 2023 तक**

सीधा सियाम रिप में जुड़नेवालोंके लिए निर्देश :

1) 28 नवंबर को 11 am से दोपहर 1:00 बजे तक सियाम रिप में आगमन, पंजीकरण से पहले आगमन की तारीख: सुनिश्चित कर ले। 2) किसी भी फ्लाइट का रिटर्न टिकट 2 दिसंबर 2022 दोपहर 1:00 बजे के बाद का लिया जाना चाहिए। सिधे सियाम रिप के लिए फ्लाईट टिकट की सहाय्यता के लिए आप (रवि सोन्थालिया - 9885143334 / आयुष सोन्थालिया - 9508126344) के साथ सम्पर्क कर सकते है ।

यात्रा में शामिल चीजें :

1) सियाम रिप में 4 रात्री का होटल निवास, ट्विन शेअरिंग
2) हवाई प्रवास के अलावा भारतीय नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्री का खाना। नाश्ता होटल में ही मिलेगा.
3) ब्रोशर में उल्लिखित सभी पर्यटन और मंदिर यात्राएं प्रवेश शुल्क के साथ शामिल हैं।
4) अप्सरा नृत्य, टोनले सॅप शुल्क
5) सभी को ट्रैवल सिम कार्ड कॉलिंग + डेटा मिलेगा
6) यात्रा के दौरान प्रति व्यक्ति प्रति दिन एक बोतल पानी मिलेगा

7) कंबोडिया वीज़ा शुल्क
8) ड्राइवर, सहायक आदि को दी जाने वाली टिप्स
9) गाइड की फीस
10) यात्रा बीमा - ओव्हरसीज मेडिक्लेम

यात्रा में शामिल नहीं कि गई चीजें :

1) व्यक्तिगत खर्चे जैसे खरीदारी, चिकित्सा और अन्य खर्चे
2) भोजन के बीच सभी प्रकार के पेय और पैक पानी
3) अन्य खर्चे जिनका उल्लेख ऊपर नहीं किया गया है

पंजीकरण की अंतिम तिथि : १५ अगस्त २०२३

ऑनलाईन पंजीकरण करें : www.vishwamandirparishad.org/combodiayatra

यात्रा रद्द करने की प्रक्रिया (Cancellation Policy)

1) न्यूनतम यात्रा रद्दीकरण शुल्क ₹ 35,000/-
2) 40 दिन से पहले रद्दीकरण शुल्क - ₹ 40,000/-
3) 20 दिन पहले तक रद्दीकरण शुल्क ₹ 50,000/- रु. उसके बाद यात्रा रद्द नहीं की जा सकती

साथ में रखनेकी आवश्यक चीजें : नी-कॅप्स, अंक्ललेटम पेन किलर क्रिम, आपकी दैनिक दवाएँ आदि सहित आवश्यक वस्तुएँ।

सुचना : कंबोडिया में हॉटेल चेक आउट का समय सुबह 10:00 am यह है और चेक इन का समय 11:00 am to 12:00pm ऐसा होता है ।

कैसे पंजीकृत करें?

1) पंजीकरण फॉर्म + आधार कार्ड + पासपोर्ट ज़ेरॉक्स + 1 फोटो आईडी ऑनलाइन संलग्न किया जाना चाहिए।
2) ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी किया जा सकता है। राशि के भुगतान के बाद ही पंजीकरण की पुष्टि की जाएगी। यात्रा के लिए राशि का भुगतान ऑनलाइन ट्रांसफर द्वारा किया जा सकता है।

3) ऑनलाइन पंजीकरण के लिए : www.vishwamandirparishad.org/combodiayatra

संपर्क संस्था : विश्व मंदिर परिषद
६२२, जानकी रघुनाथ, पुलाची वाडी, डेक्कन जिमखाना, पुणे - 411004
संपर्क: WhatsApp: 8421771262 Call: 8421951262
ईमेल: vishwamandirparishad@gmail.com